राष्ट्रीय सेवा योजना सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन

''सामाजिक डिग्री शैक्षणिक डिग्री से भी श्रेष्ठ है''

आज दिनांक 31.03.2018 को अग्रवाल महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन समारोह हुआ। अंतिम दिन मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ. रणवीर सिंह गुलिया, राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक पधारे तथा विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता, राष्ट्रीय सेवा योजना जिला समन्वयक रहे। दीपशिखा प्रज्जवलन के पश्चात राष्ट्रीय सेवा योजना का गीत गाया गया। विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता, राष्ट्रीय सेवा योजना जिला समन्वयक ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों तथा स्वयंसेविकाओं में सहानुभूति के साथ-साथ समानुभूति के भाव को उत्पन्न करता है जो कि महत्वपूर्ण है और जो व्यक्ति समाज के लिए कार्य करता है और मरता है, समाज उन्हें हमेशा जिंदा रखता है। महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाईयों के द्वारा सत्र 2017-18 में की गई गतिविधियों को पी.पी.टी. द्वारा दर्शाया गया तथा इस सात दिवसीय विशेष शिविर की रिर्पोट भी प्रस्तुत की। इसके बाद महाविद्यालय की एन.एस.एस. की टीम 'बाती' ने 'बेटी बचाओ बेटी पढाओ', 'बाल विवाह' तथा अन्य सामाजिक मुद्दों पर नुक्कड नाटक प्रस्तुत किया। इसके उपरांत डॉ. रणवीर सिंह गुलिया जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि सामाजिक सेवा सबसे बडी है। शिखर पर पहुँचने के लिए मानवीय एवं नैतिक मूल्यों को आत्मसात कर अपना कर्म करना चाहिए और सदैव व्यक्तिगत हित की बजाय सामूहिक हित को महत्व देना चाहिए। संतुष्ट जीवन ही सुखी और सफल जीवन का आधार है। शिविर के अंतिम दिन का आरम्भ प्रार्थना और योगा के साथ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 कृष्णकान्त गुप्ता जी के संरक्षण व निर्देशन में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें प्रतिभागियों ने ''बेटी बचाओ बेटी पढाओ'' विषय पर रंगोलियाँ बनाई। रंगोली प्रतियोगिता में संभाग द्वितीय से गीतिका और कोमल प्रथम रही तथा आरती एवं नूतन ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इकाई तृतीय से नेहा व काजल ने प्रथम स्थान तथा दीपिका व खुशबू ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रंगोली प्रतियोगिता के बाद पुरस्कार वितरण समारोह आरम्भ हुआ। इसमें स्वयंसेवकों ने अनुप्रीता शर्मा जी के दिशा-निर्देशन में योगा की प्रस्तुति दी। स्वयंसेवकों तथा स्वयंसेविकाओं ने इस सात दिवसीय विशेष शिविर के बारे में अपने अनुभव सांझा किए। प्राचार्य महोदय जी ने कार्यक्रमाधिकारीगण श्रीमती रितु तथा डॉ. रेखा सैन को शिविर के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। श्रीमती रितु ने अंत में सभी का धन्यवाद किया।